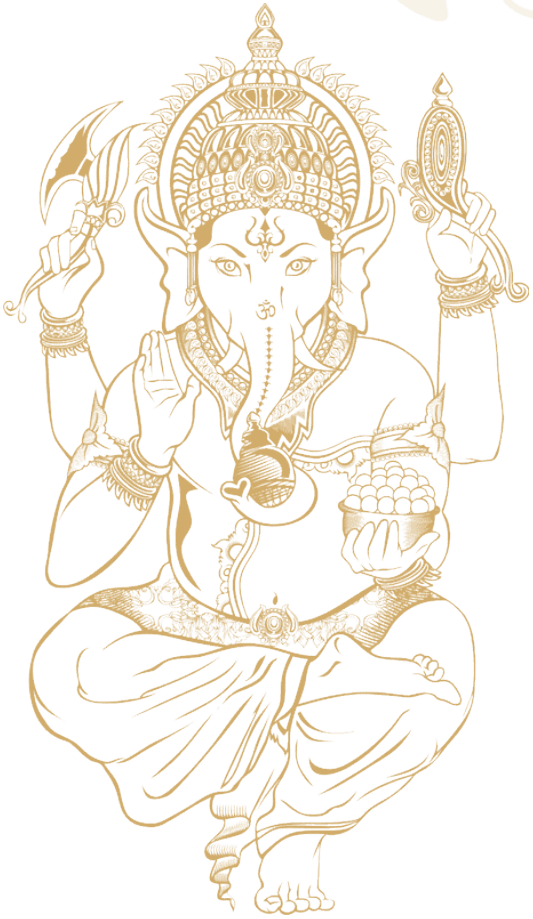

Mr.sony

11 Oct 2003

02:35 PM

Mathura Cantt

Model: web-freekundliweb

Order No: 120858405

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**11/10/2003**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:35:00 घंटे**
इष्ट	20:45:29 घटी
स्थान	**Mathura Cantt**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:28:11 उत्तर
रेखांश	77:41:39 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:13 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:15:46 घंटे
वेलान्तर	00:13:06 घंटे
साम्पातिक काल	15:33:58 घंटे
सूर्योदय	06:16:48 घंटे
सूर्यास्त	17:55:06 घंटे
दिनमान	11:38:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	23:43:51 कन्या
लग्न के अंश	17:49:15 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	हर्षण
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतना
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	17:49:15	427:17:25	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
सूर्य			कन्या	23:43:51	00:59:18	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	सम राशि
चंद्र			मेष	05:35:35	12:00:54	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			कुंभ	07:30:48	00:10:48	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध			कन्या	13:32:47	01:44:51	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	उच्च राशि
गुरु			सिंह	15:28:58	00:11:31	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	08:04:17	01:14:38	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि			मिथु	19:08:06	00:01:37	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	26:45:46	00:02:59	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:45:46	00:02:59	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	05:18:43	00:01:20	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप	व		मक	16:31:52	00:00:23	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:49:49	00:01:21	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			वृश्चि	01:54:43	--	विशाखा	--	16	मंगल	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:21

लग्न-चलित

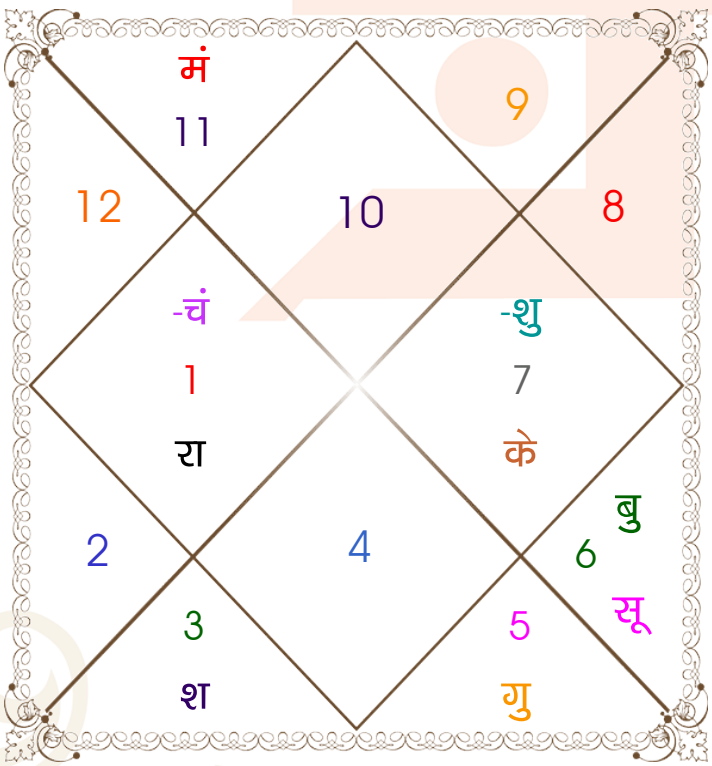

चन्द्र कुंडली

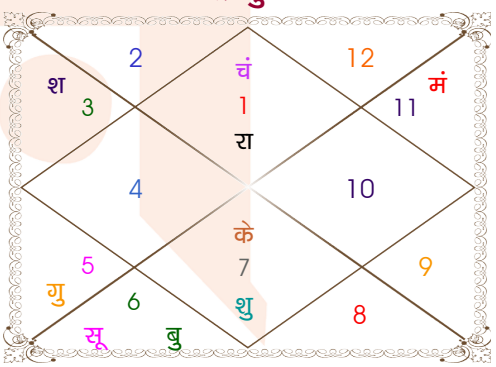

नवमांश कुंडली

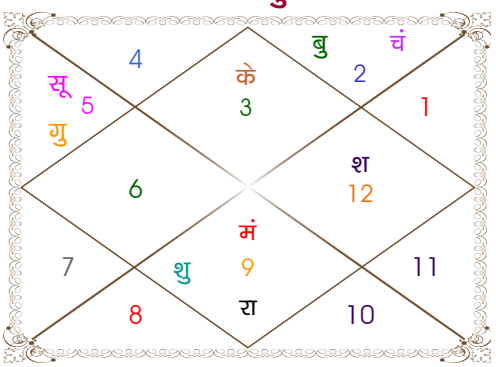

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 0 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
11/10/2003		03/11/2007		03/11/2027		03/11/2033		03/11/2043	
03/11/2007		03/11/2027		03/11/2033		03/11/2043		03/11/2050	
	00/00/0000	शुक्र	05/03/2011	सूर्य	21/02/2028	चंद्र	03/09/2034	मंगल	31/03/2044
	00/00/0000	सूर्य	04/03/2012	चंद्र	22/08/2028	मंगल	04/04/2035	राहु	19/04/2045
	00/00/0000	चंद्र	03/11/2013	मंगल	27/12/2028	राहु	03/10/2036	गुरु	26/03/2046
	00/00/0000	मंगल	03/01/2015	राहु	21/11/2029	गुरु	02/02/2038	शनि	05/05/2047
	11/10/2003	राहु	03/01/2018	गुरु	09/09/2030	शनि	03/09/2039	बुध	01/05/2048
राहु	21/10/2004	गुरु	03/09/2020	शनि	22/08/2031	बुध	02/02/2041	केतु	27/09/2048
गुरु	27/09/2005	शनि	03/11/2023	बुध	28/06/2032	केतु	03/09/2041	शुक्र	27/11/2049
शनि	06/11/2006	बुध	03/09/2026	केतु	03/11/2032	शुक्र	05/05/2043	सूर्य	04/04/2050
बुध	03/11/2007	केतु	03/11/2027	शुक्र	03/11/2033	सूर्य	03/11/2043	चंद्र	03/11/2050

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/11/2050		03/11/2068		03/11/2084		04/11/2103		04/11/2120	
03/11/2068		03/11/2084		04/11/2103		04/11/2120		00/00/0000	
राहु	16/07/2053	गुरु	22/12/2070	शनि	06/11/2087	बुध	02/04/2106	केतु	02/04/2121
गुरु	10/12/2055	शनि	04/07/2073	बुध	17/07/2090	केतु	30/03/2107	शुक्र	02/06/2122
शनि	16/10/2058	बुध	10/10/2075	केतु	25/08/2091	शुक्र	28/01/2110	सूर्य	08/10/2122
बुध	04/05/2061	केतु	15/09/2076	शुक्र	25/10/2094	सूर्य	05/12/2110	चंद्र	09/05/2123
केतु	23/05/2062	शुक्र	17/05/2079	सूर्य	07/10/2095	चंद्र	05/05/2112	मंगल	05/10/2123
शुक्र	22/05/2065	सूर्य	04/03/2080	चंद्र	07/05/2097	मंगल	02/05/2113	राहु	12/10/2123
सूर्य	16/04/2066	चंद्र	04/07/2081	मंगल	16/06/2098	राहु	20/11/2115		00/00/0000
चंद्र	16/10/2067	मंगल	10/06/2082	राहु	23/04/2101	गुरु	24/02/2118		00/00/0000
मंगल	03/11/2068	राहु	03/11/2084	गुरु	04/11/2103	शनि	04/11/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 0 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप आपके जन्म के साथ-साथ लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का शुभागमन की स्थापना हो रही है। अर्थात् आपका जीवन ज्ञान और लक्ष्मी दोनों से युक्त रहेगा। देवी-देवता द्वारा ज्ञान एवं लक्ष्मी की वृद्धि आपके पक्ष में होगी। आपका जीवन सुखी एवं आनंदपूर्ण रहेगा। आप बहुत बड़ी भाग्यशाली हैं। आपके पति आकर्षक एवं घर-परिवार को सुव्यवस्थित रखने वाले तथा संतान समझदार होंगे।

आप गायन कला की गहन शिक्षा प्राप्त कर गायन कला में निपुणता प्राप्त कर आप अपने कर्म क्षेत्र का विस्तार करेंगी। साथ ही ज्योतिष एवं गणितीय शिक्षा में सर्वथा संभाव्य अभिरूचि रखेंगी। आपके सामान्य ज्ञान की छाप बहुत लोगों पर प्रभाव डालेगी तथा जो व्यक्ति आपसे संबंधित रहेंगे। वे लोग आपके पास पहुंच कर, वे बहुत विषयों से संबंधित आपकी राय एवं निर्देशन प्राप्त करेंगे।

अतएव आप संबंधित व्यक्ति द्वारा धन का संचय करेंगी। आप भाग्यशाली हैं। आप अपने जीवन की आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के मध्य सर्वाधिक लाभ उपार्जन हेतु उंची छलांग लगाकर अपनी जड़ को सुदृढ़ कर लेंगी। आप ऐसी आशा कर सकती हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान एवं आंतरिक अपार शक्ति के सम्मिलन से अतिरिक्त धन प्राप्ति एवं समृद्धि हेतु अपनी क्षमता के अनुरूप कठिन श्रम करेंगी। आप अपनी आत्मिक शक्ति के आधार पर किसी भी प्रकार के कार्य व्यवसाय के पीछे पड़ कर कार्यारंभ कर सकेंगी। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं। आप उसका सामना करेंगी। आप किसी भी विषय पर बहुत अधिक चिंता करती हैं। आप इन चिंताओं का परित्याग करे अन्यथा कुछ वर्षों के बाद आपको पाचन क्रिया की विकृत्ति जैसी समस्याओं को झेलना पड़ेगा। आपको कतिपय रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। यथा उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति में बृद्धि, गठिया संबंधित रोग जनित पीड़ा एवं क्षय रोगादि के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप इन विंदुओं पर समय-समय पर चिकित्सा संबंधी जांच कराती रहें।

आप दानशील प्रवृति की प्राणी हैं। आप उदारभाव से संस्थाओं को दान करेंगी तथा स्वयंसेवी होकर सामाजिक सेवा करेंगी। आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्रवृति की प्राणी होकर अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे।

आपके लिए अंकों में उत्तम अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभप्रदायक होगा। परंतु अंक 3 का सर्वथा त्याग करे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन उत्तम फलदायी है। परंतु रविवार, सोमवार एवं बृहस्पतिवार का दिन आपके लिए समस्याग्रस्त रहेगा। अतएव इन दिनों का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग सर्वथा अनुपयुक्त है। आपके लिए व्यवहारणीय रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उपयुक्त है।